In the NEWS

RELIANCE
Life Insurance

Publication: **Gujarat Vaibhav** | Region: **Ahmadabad** | Date: **15/11/2014** | Page No.: **08**

रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स ने लांच किया नया सोशल मीडिया अभियान

नई दिल्ली : रिलायन्स कैपिटल लिमिटेड के एक भाग रिलायन्स लाइफ इश्योरेन्स कंपनी ने अपने नए सोशल मीडिया अभियान डू-गुड के लांच की घोषणा की है। रिलायन्स के इस डू गुड अभियान का उद्‌देश्य है समाज के विभिन्न वर्गों और समुदायों में लोगों केनिं:स्वार्थ कृत्यों की पहचान करना, तथा उन्हें ऐसे कार्यों के लिए प्रेरित करना जो समाज पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करते है। इस नए सोशल मीडिया अभियान का लांच आज यहां रिलायन्स लाइफ इश्योरेन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राउ ने किया। हमारा मानना है कि समुदायों, क्षेत्रों के दायरे से बाहर जाकर किए जाने वाले नि:स्वार्थ एवं कल्याणकारी कार्यों को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। आज के समय में लोगों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना अनिवार्य हो गया है जहां हर व्यक्ति और समूह को ऐसे कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, तथा उनके द्वारा किए जाने वाले कल्याणकारी कार्यों को बड़े पैमाने पर मान्यता प्रदान की जाए। हमारा डू-गुड अभियान इसी तरह का मंच उपलब्ध कराता है। यह रिलायन्स लाइफ इश्योरेन्स द्वारा शुरू किया गया तीसरा सोशल मीडिया अभियान है। इससे पहले भी कंपनी बाउन्डरीज फार बुक्स विद रूम टू रीड तथा सचिन के प्रशंसक सुधीर कुमार चौधरी के साथ सचिन्स ग्रेटेस्ट फैन नामक अभियानों का सफलतापूर्वक लांच कर चुकी है। डू गुड अभियान की शुरुआत हाल ही में सभी सामाजिक मंचों पर

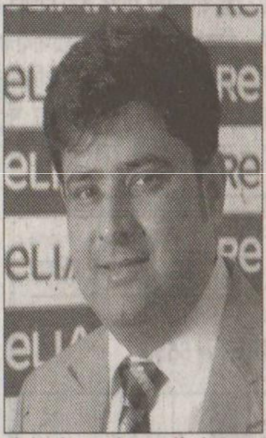

लोगों में अच्छे कार्यों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने एवं उन्हें कल्याणकारी कार्यों हेतू प्रोत्साहित करने के लिए की गई। अभियान की शुरुआती अवस्था को फेसबुक से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, इसके लांच के मात्र दो सप्ताह की अवधि में दो लाख लाइक्स पोस्ट किए गए हैं। राउ ने अपनी बात को जारी रखते हुए बताया कि रिलायन्स लाइफ इंश्योरेन्स ने संगठन में एक भीतरी अभियान के रूप में डू गुड पहल की शुरुआत की है ताकि कंपनी की सकारात्मक एवं रचनात्मक सोच को इसके कर्मचारियों, एजेन्ट्स एवं उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। कंपनी विभिन्न कार्यक्रमों के अलावा आनलाइन एवं मोबाइल प्लेटफार्म के माध्यम से अपनी मौजूदगी को सशक्त बनाने तथा इस तरह के अभियानों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके और उन्हें उनके नि:स्वार्थ कृत्यों के लिए पुरस्कृत भी किया जाए।